

# भाषा, साहित्य, धर्म और अध्यात्म का अंतर संबंध दर्शाता : डॉ. वंदना सिंह



**आरा (रासासं):** महाराजा कॉलेज आरा के पी.जी. अंग्रेजी विभाग ने साहित्य, भाषा और धर्म पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का वर्चुअल आयोजन किया। सम्मेलन का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय भाषा परिषद, रिसर्च कल्चर सोसाइटी पूने और अंग्रेजी साहित्य क्लब द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। सम्मेलन का उद्देश्य छात्रों को भारत और अन्य देशों के प्रतिष्ठित वक्ताओं से जुड़ने और उन्हें सुनने का अवसर प्रदान करना था जिसका छात्रों ने भरपूर लाभ उठाया। वक्ताओं में डॉ.सेदिघे जमानी रूदसारी-अकादमिक समन्वयक, अलबामा, यू.एस.ए., प्रो. तूलिका चंद्रा, अंग्रेजी विभाग, एनसीआर, नई दिल्ली डॉ. वंदना सिंह, विभागाध्यक्ष, पी.जी. अंग्रेजी विभाग, महाराजा कॉलेज, आरा प्रो. नागलक्ष्मी, प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, चेन्नई, रहे। विभागाध्यक्ष डॉ वंदना सिंह ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि भाषा, साहित्य, धर्म और अध्यात्म का अंतर संबंध यह दशार्ता है कि मानव विचार और संस्कृति को आकार देने में ये तत्व कितनी गहराई से जुड़े हुए हैं। साथ में, वे इस बात को प्रभावित करते हैं कि व्यक्ति खुद को और दुनिया को कैसे समझते हैं, अर्थ की एक समृद्ध टेपेस्ट्री को बढ़ावा देते हैं जो विकसित होती रहती है। सम्मेलन का उद्देश्य अंतःविषय संवाद के लिए एक मंच प्रदान करना, इस बात की समझ और प्रशंसा को बढ़ावा देना था कि साहित्य और भाषाएं कैसे धार्मिक विश्वासों और प्रथाओं को आकार देती हैं, प्रतिबिंबित करती हैं और चुनौती देती हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, अल्जीरिया, सीरिया और अन्य देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले पचास से अधिक प्रतिभागियों ने शैक्षणिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ सम्मेलन में भाग लिया, डॉ अवधूत एम एरंडे द्वारा अवधूत गीता पर प्रस्तुत पेपर में एक नया दृष्टिकोण था। समापन सत्र की अध्यक्षता डॉ चिराग एम पटेल, निदेशक (प्रशासन और आईटी), 'रिसर्च कल्चर सोसाइटी' और अध्यक्ष, 'अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान संघ', कार्यक्रम प्रमुख, यूरोशियन विश्वविद्यालय और डॉ रुक्मिणीसिंह, अंतर्राष्ट्रीय भाषा परिषद, सदस्य - इंडोनेशिया, अंग्रेजी भाषा शिक्षा विभाग, पीजीआरआई जोम्बांग विश्वविद्यालय, इंडोनेशिया ने की। प्रस्तुतकर्ताओं की प्रतिक्रिया अत्यधिक सकारात्मक थी, जिसमें कई लोगों ने चर्चा की गहराई की प्रशंसा की। आयोजन सचिव शैलेश रंजन, सहायक प्रोफेसर, पीजी अंग्रेजी विभाग, डॉ शाहनवाज आलम, सहायक प्रोफेसर, पीजी अंग्रेजी विभाग, की इस कॉन्फ्रेंस में महत्वपूर्ण भूमिका रही। तकनीकी सहयोग और विभिन्न सत्रों के संचालन में विभाग के छात्र शशि प्रकाश, हर्ष रंजन और खुशी कुमारी थे जिन्होंने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए निरंतर प्रयास किया।



आरा 31-12-2024

पटना, मंगलवार, 31 दिसंबर, 2024 | 15

# इंटरनेशनल कांफ्रेंस में महाराजा कॉलेज के छात्र-छात्राएं जुड़े

एजुकेशनरिपोर्टर | आरा

इंटरनेशनल कांफ्रेंस में महाराजा कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के कई छात्र-छात्राएं ऑनलाइन जुड़े। यह वेबिनार 28 और 29 दिसंबर को हुआ। वेबिनार में साहित्य, भाषा और धर्म पर चर्चा हुई। वेबिनार में विभागाध्यक्ष डॉ वंदना सिंह ने कहा कि भाषा, साहित्य, धर्म और अध्यात्म का अंतर्संबंध यह दर्शाता है कि मानव विचार और संस्कृति को आकार देने में ये तत्व कितनी गहराई से जुड़े हुए हैं। साथ में, वे इस बात को प्रभावित करते हैं कि व्यक्ति खुद को और दुनिया को कैसे समझते हैं। अर्थ की एक समृद्ध टेपेस्ट्री को बढ़ावा देते हैं जो विकसित होती रहती है। सम्मेलन का उद्देश्य अंतःविषय संवाद के

लिए एक मंच प्रदान करना, इस बात की समझ और प्रशंसा को बढ़ावा देना था कि साहित्य और भाषाएं कैसे धार्मिक विश्वासों और प्रथाओं को आकार देती हैं। डॉ शाहनवाज आलम ने बताया कि वेबिनार में अमेरिका, अल्जीरिया, सीरिया और अन्य देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले पचास से अधिक प्रतिभागियों ने शैक्षणिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर चर्चा की। वेबिनार का उद्देश्य छात्रों को भारत और अन्य देशों के प्रतिष्ठित वक्ताओं से जुड़ने और उन्हें सुनने का अवसर प्रदान करना था। वेबिनार में सचिव शैलेश रंजन, सहायक प्रोफेसर, पीजी अंग्रेजी विभाग, छात्र शशि प्रकाश, हर्ष रंजन और खुशी कुमारी सहित अन्य शामिल थे।

# महाराजा कॉलेज ने कराया अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

संवाददाता, आरा

महाराजा कॉलेज के पीजी अंग्रेजी विभाग ने साहित्य, भाषा और धर्म पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का वर्चुअल आयोजन किया है। सम्मेलन का आयोजन अंतरराष्ट्रीय भाषा परिषद, रिसर्च कल्चर सोसाइटी और अंग्रेजी साहित्य क्लब द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

सम्मेलन का उद्देश्य छात्रों को भारत और अन्य देशों के प्रतिष्ठित वक्ताओं से जुड़ने और उन्हें सुनने का अवसर प्रदान करना था। छात्रों ने इस बातचीत को वास्तव में लाभकारी बताया। इस संबंध में महाराजा कॉलेज के पीजी अंग्रेजी विभागाध्यक्ष ने बताया कि साहित्य, भाषा विज्ञान और अपने छात्रों के समग्र विकास के क्षेत्र में अकादमिक जांच और चर्चा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम उन गतिविधियों का समर्थन करने के लिए समर्पित हैं, जो सांस्कृतिक ज्ञान और प्रशंसा में सुधार करती हैं, जो विषयों में समझ और सहयोग को बढ़ावा देने के हमारे उद्देश्य का हिस्सा



सम्मेलन में भाग लेनेवाले प्रतिभागी .

हैं। विभागाध्यक्ष डॉ वंदना सिंह ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि भाषा, साहित्य, धर्म और अध्यात्म का संबंध यह दर्शाता है कि मानव विचार और

संस्कृति को आकार देने में ये तत्व कितनी गहरायी से जुड़े हुए हैं। साथ में वे इस बात को प्रभावित करते हैं कि व्यक्ति खुद को और दुनिया को कैसे

समझते हैं। अर्थ की एक समृद्ध टेपेस्ट्री को बढ़ावा देते हैं, जो विकसित होती रहती है। सम्मेलन का उद्देश्य अंतःविषय संवाद के लिए एक मंच प्रदान करना, इस बात की समझ और प्रशंसा को बढ़ावा देना था कि साहित्य और भाषाएं कैसे धार्मिक विश्वासों और प्रथाओं को आकार देती हैं, प्रतिबिंबित करती हैं और चुनौती देती हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, अल्जीरिया, सीरिया और अन्य देशों का प्रतिनिधित्व करनेवाले 50 से अधिक प्रतिभागियों ने शैक्षणिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की एक विस्तृत शृंखला के साथ सम्मेलन में भाग लिया। डॉ अवधूत एम एरंडे द्वारा अवधूत गीता पर प्रस्तुत पेपर में एक नया दृष्टिकोण था। समापन सत्र की अध्यक्षता डॉ चिराग एम पटेल, निदेशक प्रशासन और आइटी रिसर्च कल्चर सोसाइटी और अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान संघ ने किया। कार्यक्रम प्रमुख यूरेशियन विश्वविद्यालय और डॉ रुक्मिणीसिंह ने किया। आयोजन सचिव शैलेश रंजन सहायक प्रोफेसर पीजी अंग्रेजी विभाग ने किया।

आरा इंस्टी स्कूल कॉलेज साइंस ने शुभव वर्ष स्वास् लेक सभी छात्र लिए करते और 'शि अपने साथ आगे

# हिन्दुस्त

## अंग्रेजी विभाग अकादमिक चर्चा को प्रोत्साहित करेगा

आरा, निज प्रतिनिधि। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई महाराजा कॉलेज के पीजी अंग्रेजी विभाग की ओर से साहित्य, भाषा और धर्म पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का वर्चुअल आयोजन किया। सम्मेलन का आयोजन अंतरराष्ट्रीय भाषा परिषद, रिसर्च कल्चर सोसाइटी और अंग्रेजी साहित्य क्लब की ओर से संयुक्त रूप से किया गया था। सम्मेलन का उद्देश्य छात्रों को भारत और अन्य देशों के प्रतिष्ठित वक्ताओं से जुड़ने और उन्हें सुनने का अवसर प्रदान करना था। सेमिनार के मुख्य वक्ता अकादमिक समन्वयक टीईएसओएल प्रशिक्षक, ऑबर्न ग्लोबल, पाठ्यक्रम और शिक्षण, ऑबर्न विश्वविद्यालय, अलबामा, यूएसए के डॉ सेदिघे जमानी रूदसारी, शिव नादर इंस्टीट्यूशन एनसीआर, नई दिल्ली अंग्रेजी विभाग की प्रो. तुलिका चंद्रा, महाराजा कॉलेज की अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ वंदना सिंह और चेन्नई की प्रोफेसर नागलक्ष्मी थीं। वंदना सिंह ने कहा कि अंग्रेजी विभाग साहित्य, भाषा विज्ञान और अपने छात्रों के समग्र विकास के क्षेत्रों में अकादमिक जांच और चर्चा को प्रोत्साहित करने

### ■ साहित्य, भाषा और धर्म पर दोदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार

के लिए प्रतिबद्ध है। कहा कि भाषा, साहित्य, धर्म और अध्यात्म का अंतर्संबंध यह दर्शाता है कि मानव विचार और संस्कृति को आकार देने में ये तत्व कितनी गहराई से जुड़े हैं। साथ में वे इस बात को प्रभावित करते हैं कि व्यक्ति खुद और दुनिया को कैसे समझते हैं। सेमिनार में संयुक्त राज्य अमेरिका, अल्जीरिया, सीरिया और अन्य देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ अवधूत एम एरंडे की ओर से अवधूत गीता पर प्रस्तुत पेपर में नया दृष्टिकोण था। समापन सत्र की अध्यक्षता डॉ चिराग एम पटेल, निदेशक (प्रशासन और आईटी), रिसर्च कल्चर सोसाइटी ने की। आयोजन सचिव शैलेश रंजन, सहायक प्रोफेसर, पीजी अंग्रेजी विभाग, डॉ शाहनवाज आलम की भूमिका रही। तकनीकी सहयोग और विभिन्न सत्रों के संचालन में विभाग के छात्र शशि प्रकाश, हर्ष रंजन और खुशी कुमारी थीं।